राष्ट्रीय जनजाति साहित्य महोत्सव: 12-13 नवंबर को नई दिल्ली में, गौरव पखवाड़ा का हिस्सा

समाचार-संदर्भ: PIB, 11 नवंबर 2026; कार्यक्रम 12-13 नवंबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

जनजातीय कार्य मंत्रालय 12 और 13 नवंबर 2026 को नई दिल्ली के इंडिया हैबिटैट सेंटर के सिल्वर ओक सभागार में दो-दिवसीय 'राष्ट्रीय जनजाति साहित्य महोत्सव' (National Tribal Literary Festival) आयोजित कर रहा है। यह आयोजन 'जनजातीय गौरव दिवस 2026' के उत्सव-कार्यक्रमों का हिस्सा है। मंत्रालय ने यह जानकारी 11 नवंबर 2026 को दी।

कार्यक्रम-विवरण

- उद्घाटन सत्र में जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुअल ओराम, राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके, नीति आयोग सदस्य डॉ. जोराम अनिया, भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष श्री चामू कृष्ण शास्त्री और जनजातीय कार्य सचिव श्रीमती रंजना चोपड़ा समेत वरिष्ठ अधिकारी और विशिष्ट अतिथि शामिल हुए।
- महोत्सव में देश भर से जनजातीय लेखक, कवि, साहित्यकार, शोधकर्ता, भाषाविद, शिक्षाविद और सांस्कृतिक कार्यकर्ता एक मंच पर आते हैं।

महोत्सव का उद्देश्य और विषय

- उद्देश्य: भारत की समृद्ध और विविध जनजातीय साहित्यिक परंपराओं को राष्ट्रीय मंच देना, स्वदेशी भाषाओं और मौखिक परंपराओं को बढ़ावा देना तथा जनजातीय लेखकों, कवियों, कथावाचकों और ज्ञान-धारकों के योगदान को मान्यता देना।

- विषयगत सत्र: लोकगाथाएँ, अनुष्ठान-गीत, मिथक, लोककथाएँ, पहेलियाँ, कहावतें, बच्चों की परंपराएँ, मौसमी बयान और महिलाओं की मौखिक परंपराएँ; सामुदायिक इतिहास और सांस्कृतिक स्मृति बचाने में मौखिक महाकाव्यों और वीरगाथाओं की भूमिका।
- मौखिक परंपराओं का बहुभाषी शिक्षा, भाषा और साक्षरता में योगदान — पारिस्थितिक ज्ञान, सामाजिक-नैतिक मूल्य और सांस्कृतिक पहचान की पीढ़ी-दर-पीढ़ी देन — पर भी चर्चा; कविता और कथा-पाठ के समर्पित सत्र।
- आयोजन प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत@2047' के विज़न से जुड़ा है: जनजातीय समुदायों के ज्ञान, भाषाएँ और सांस्कृतिक योगदान समावेशी विकास का अभिन्न अंग माने गए हैं।

पृष्ठभूमि: जनजातीय गौरव पखवाड़ा और गौरव दिवस

- जनजातीय कार्य मंत्रालय 1 से 15 नवंबर 2026 तक देशभर में 'जनजातीय गौरव पखवाड़ा' मना रहा है; यह साहित्य महोत्सव उसी श्रृंखला का हिस्सा है।
- पखवाड़ा का समापन 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' पर होगा — धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती।
- जनजातीय भाषाएँ और साहित्यिक परंपराएँ दस्तावेज़ीकरण, पीढ़ियों के बीच हस्तांतरण और प्रसार की चुनौतियों से जूझ रही हैं — महोत्सव इस संरक्षण की दिशा में राष्ट्रीय चर्चा का मंच है।

परीक्षा के लिए भेद

आयोजक मंत्रालय (जनजातीय कार्य), तिथियाँ (12-13 नवंबर 2026), स्थल (सिल्वर ओक, इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली), संदर्भ (जनजातीय गौरव दिवस 2026; पखवाड़ा 1-15 नवंबर; बिरसा मुंडा जयंती 15 नवंबर) और विषय-कवरेज अलग-अलग याद रखें। इसे साहित्य अकादमी या किसी भाषा-संस्थान के सम्मान-समारोह से न मिलाएँ — आयोजक जनजातीय कार्य मंत्रालय है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: 'राष्ट्रीय जनजाति साहित्य महोत्सव' (12-13 नवंबर 2026) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. इसका आयोजन जनजातीय कार्य मंत्रालय कर रहा है।

II. यह नई दिल्ली के इंडिया हैबिटैट सेंटर में आयोजित हो रहा है।

III. यह 'जनजातीय गौरव दिवस 2026' के उत्सव-कार्यक्रमों का हिस्सा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I और II

(b) केवल II और III

(c) केवल I और III

(d) I, II और III

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (d)

- तीनों कथन सही हैं: आयोजक जनजातीय कार्य मंत्रालय है; स्थल सिल्वर ओक, इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली है; और यह आयोजन जनजातीय गौरव दिवस 2026 की उत्सव-श्रृंखला (जनजातीय गौरव पखवाड़ा, 1-15 नवंबर) का हिस्सा है।

प्रश्न 2: 'जनजातीय गौरव दिवस' (15 नवंबर) किसकी जयंती के अवसर पर मनाया जाता है?

(a) भगवान बिरसा मुंडा

(b) टंटिया भील

(c) रानी गाइडिनलियू

(d) अल्लूरी सीताराम राजू

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a)

15 नवंबर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर 'जनजातीय गौरव दिवस' मनाया जाता है। वर्ष 2026 में मंत्रालय 1-15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव पखवाड़ा' आयोजित कर रहा है, जिसका समापन गौरव दिवस पर होगा।

पाठ्यक्रम मानचित्रण:

प्रिलिम्स: भारतीय समाज और संस्कृति – जनजातीय समुदाय, भाषा-विविधता, जनजातीय कार्य मंत्रालय की पहलें (GS-I)

संबंधित अध्ययन

- बिरसा मुंडा और उलगुलान – प्रमुख तथ्य
- बिरसा मुंडा: उलगुलान, जमीन और स्वशासन का इतिहास

स्रोत

1. PIB, जनजातीय कार्य मंत्रालय: राष्ट्रीय जनजाति साहित्य महोत्सव, 11 नवंबर 2026 (रिलीज़ आईडी 2335187)
2. PIB: जनजातीय गौरव पखवाड़ा, 1-15 नवंबर 2026 (रिलीज़ आईडी 2328976)
3. हिंदुस्तान टाइम्स: दिल्ली में राष्ट्रीय जनजाति साहित्य महोत्सव की शुरुआत, 12 नवंबर 2026